Hindi Diary/हिन्दी डायरी

त्रिविम मुद्रण या 'थ्री-डी प्रिण्टिंग'

श्रीमती मिताली अग्रवाल
जनसंपर्क अधिकारी
KID: 20220103

त्रिविम मुद्रण या 'थ्री-डी प्रिण्टिंग' (3D printing या additive manufacturing (AM)) त्रि-विमीय वस्तुएँ बनाने की बहुत सी विधियों में से एक विधि है। इस विधि में कम्प्यूटर के नियन्त्रण में वस्तु पर किसी पदार्थ की परत-दर-परत डालते जाते हैं और वस्तु तैयार होती जाती है। निर्मित होने वाली वस्तुएं किसी भी आकार और ज्यामिति वाली हो सकतीं हैं। निर्माण के पूर्व वस्तु का त्रिविम डेटा स्रोत तैयार कर लेते हैं और कम्प्यूटर के नियन्त्रण में त्रिविम प्रिन्टर द्वारा इसी के अनुसार परतें डाली जातीं हैं। वस्तुतः त्रिविम प्रिण्टर एक औद्योगिक रोबोट है।

हाथ से बनी एक जैसी दो सपाट तस्वीरों में गहराई यानी थ्री डी का भ्रम पैदा करनेवाली सबसे पहली मशीन यानी 'स्टीरियोस्कोप' ब्रिटिश वैज्ञानिक सर चाल्र्स व्हीटस्टोन ने 1838 में बनायी थी। 1988 में वर्तमान काल में जो तकनीकी ज़्यादातर 3 डी प्रिंटर में प्रयोग की जाती है, की खोज हुयी थी। इसके खोजकर्ता थे एस. स्कॉट क्रम्प।

आईआईटी हैदराबाद ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भी कई पहल की हैं। 2020 में आईआईटीएच ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में एक इंटरडिसिप्लिनरी एमटेक भी शुरू किया है। किरIITH के इस अद्भुत अंक में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में व्यापक शोध के बारे जाना जा सकता है। आशा है भविष्य में आईआईटीएच एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र नए कीर्तिमान स्थापित करेगा|

इसे मत पढ़िए

श्री नवीन श्रीवास्तव
हिंदी प्रकोष्ठ
KID: 20220104

वर्तमान युग ऐसा है कि लोगों को जो काम करने के लिए मना किया जाता है, लोग वही करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं और नियमों का उल्लंघन करते रहते हैं | जैसे सडकों पर कई जगह लिखा रहता है 'नो पार्किंग' (यहाँ गाड़ियाँ मत खडी कीजिये) फिर भी लोग वहीं गाड़ियाँ शान से खडी कर देते हैं | बसों में सीटों पर लिखा रहता है – 'महिलाओं के लिए आरक्षित' | फिर भी उन सीटों पर पुरुष बैठ ही जाते हैं | रेलगाड़ियों में और सार्वजनिक स्थानों पर जहाँ भी लिखा होता है – 'सिगरेट पीना मना है' | फिर भी लोग वहीं सिगरेट पीते हैं |

और अब आप को ही देख लीजिये आप भी तो यही कर रहे हैं | जब आपसे शुरू में ही कहा गया कि 'इसे मत पढ़िए' और आप है कि इसे पढ़ते जा रहे हैं |

बेटियां

सुश्री सैयद मोमिन सुल्ताना
प्रोजेक्ट असिस्टेंट - तिहान
KID: 20220105

अंगना में खिलती एसी फूल हैं बेटियां
अपनी गुडिया को भी संग सुलाकर
बचपन से ही मम्ता सिखाएंगी बेटियां
थोडा हंसाकर तो देखो
सदैव प्यार करना सिखाऐंगी बेटियां ।

रहने दो इन छोटे हाथों में चार किताबें
अपनी मां की कोक में बच गयी
दहेज़ से भी बच जाऐंगी बेटियां
नयनों में सपने समाऐ,
बिन पंख के भी उड़ जाऐंगी बेटियां
थोड़ा मौका दे कर तो देखो
जो ठान लिया, वो करके दिखाऐंगी बेटियां ।

नर्मी की परछाई, दिल का सुकून है
बेटी है वो, बोझ नहीं
पलकों पर समंदर समाए
हंसते सह जाती हैं बेटियां
थोड़ा इशारा कर के तो देखो
बिखरे टुकड़ों को समेट लेंगी बेटियां ।

पापा की लाडली, मां की जान
ब्याह के बाद दो घरों की पहचान है बेटियां
एक बार दहलीज पार कर
अपने ही घर की महमान बन जाऐंगी बेटियां ।